CTET Exam Preparation
TET . CTET . UPTET
Quiz

भाग—II / PART—II

भाषा–I (हिन्दी) / Language–I (HINDI)

31. 'परिसीमन' का विलोम है
(1) ससीम
(2) निरसीमन
(3) असीमन
(4) ससीमन

32. 'धूसर' शब्द का पर्याय है
(1) अश्व
(2) मेघ
(3) गर्दभ
(4) अजा

33. 'धूर्तों अर्थात् जीवों द्वारा होने वाला (दुख)'—वाक्य के लिए एक शब्द है
(1) आधिदैविक
(2) आधिभौतिक
(3) आधिदैहिक
(4) आत्मघाती

34. 'ऊँट की चोरी निहुरे निहुरे' का अर्थ है
(1) जान जोखिम में डालना
(2) बड़े काम छिपकर नहीं किए जा सकते
(3) उद्दंड व्यक्ति की दुष्टता
(4) किसी की वस्तु किसी दूसरे को देना

35. 'पंकज' में कौन-सा समास है?
(1) द्वंद्व
(2) द्विगु
(3) कर्मधारय
(4) बहुव्रीहि

36. अयोगवाह कहा जाता है
(1) महाप्राण को
(2) अनुस्वार एवं विसर्ग को
(3) संयुक्त व्यंजन को
(4) अल्पप्राण को

37. एक ओर अजगरहि लखि एक ओर मृगराय।
विकल बटोही बीच ही पर्‌यो मूरछा खाय॥
इन पंक्तियों में प्रयुक्त रस है
(1) रौद्र रस
(2) वीर रस
(3) भयानक रस
(4) करुण रस

38. 'से' विभक्ति निम्न में से किस कारक के लिए प्रयुक्त होता है?
(1) कर्त्ता
(2) कर्म
(3) सम्प्रदान
(4) करण

39. 'उसने नहाकर भोजन किया'—इस वाक्य में 'नहाकर' निम्नांकित में से किस क्रिया का उदाहरण है?
(1) संयुक्त क्रिया
(2) प्रेरणार्थक क्रिया
(3) द्विकर्मक क्रिया
(4) पूर्वकालिक क्रिया

40. निम्नलिखित में वाचन शिक्षण की विधि नहीं है
(1) ध्वनि साम्य विधि
(2) अनुध्वनि विधि
(3) व्याख्या विधि
(4) समवेत पाठ विधि

41. निम्नलिखित में अभिवृत्यात्मक उद्देश्य है
(1) स्वानुभूत विचारों व भावों को अभिव्यक्त करना
(2) साहित्य का रसास्वादन करना
(3) धैर्यपूर्वक सुनना
(4) भाषा और साहित्य में रुचि

42. हिन्दी साहित्य के इतिहास के संबंध में 'मॉडर्न वरनाक्यूलर लिटरेचर ऑफ हिन्दोस्तान' किसने लिखा है?
(1) जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन
(2) सुमित कुमार चटर्जी
(3) गार्सा द तासी
(4) धीरेन्द्र वर्मा

43. "विरहनी बावरी सी भई
ऊँची चढ़ि अपने भवन में टेरत हाय दई
ले अंचरा मुख अँसुवन पोंछत उघरे गात सही।"
—किसकी पंक्ति है?
(1) सहजोबाई
(2) मीराबाई
(3) झीमा चारिणी
(4) दयाबाई

44. हिन्दी का पहला पत्र है
(1) उदंत मार्तण्ड
(2) इतिहास तिमिरनाशक
(3) बनारस अखबार
(4) हरिश्चन्द्र मैगजीन

45. सूफी संतों की शैली है
(1) मर्सिया
(2) मसनवी
(3) ग़ज़ल
(4) तर्जुमा

46. 'गुड़िया भीतर गुड़िया' के रचनाकार कौन हैं?
(1) कृष्णा सोबती
(2) मैत्रेयी पुष्पा
(3) प्रभा खेतान
(4) उषा प्रियंवदा

47. 'सौ अजान एक सुजान' के रचनाकार का नाम है
(1) बदरीनारायण चौधरी
(2) बालकृष्ण भट्ट
(3) बालमुकुन्द गुप्त
(4) सरदार पूर्ण सिंह

48. गोस्वामी तुलसीदास का निधन वाराणसी के किस घाट पर हुआ?
(1) दशाश्वमेध घाट
(2) अस्सी घाट
(3) राम घाट
(4) मणिकर्णिका घाट

49. 'भक्तमाल' के रचनाकार हैं
(1) नाभा दास
(2) केशव दास
(3) विष्णु दास
(4) सुन्दर दास

निर्देश (प्रश्न सं० 50-54) : दिए गए गद्यांश को पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प छाँटिए।

धर्म पालन करने के मार्ग में सबसे अधिक बाधा चित्त की चंचलता, उद्देश्य की अस्थिरता और मन की निर्बलता से पड़ती है। मनुष्य के कर्तव्य मार्ग में एक ओर तो आत्मा के बुरे-भले कामों का ज्ञान दूसरी ओर आलस्य और स्वार्थपरता रहती है। बस मनुष्य इन्हीं दोनों के बीच में पड़ा रहा है। अंत में यदि उसका मन पक्का हुआ तो वह आत्मा की आज्ञा मानकर अपना धर्म पालन करता है, पर उसका मन दुविधा में पड़ा रहा है तो स्वार्थपरता उसे निश्चित ही घेरेगी और उसका चरित्र घृणा के योग्य हो जायेगा। इसलिए यह बहुत आवश्यक है कि आत्मा जिस बात को करने की प्रवृत्ति दे, उसे बिना स्वार्थ सोचे, झटपट कर डालना चाहिए। इस संसार में जितने बड़े-बड़े लोग हुए हैं सभी ने अपने कर्तव्य को सबसे श्रेष्ठ माना है, क्योंकि जितने कर्म उन्होंने किए उन सबने अपने कर्तव्य पर ध्यान देकर न्याय का बर्ताव किया। जिन जातियों में यह गुण पाया जाता है, वे ही संसार में उन्नति करती हैं और संसार में उनका नाम आदर से लिया जाता है। जो लोग स्वार्थी होकर अपने कर्तव्य पर ध्यान नहीं देते, वे संसार में लज्जित होते हैं और सब लोग उनसे घृणा करते हैं। कर्तव्य पालन और सत्यता में बड़ा घनिष्ठ संबंध है। जो मनुष्य अपना कर्तव्य पालन करता है, वह अपने कामों और वचनों में सत्यता का बर्ताव भी रखता है। सत्यता ही एक ऐसी वस्तु है जिससे इस संसार में मनुष्य अपने कार्यों में सफलता पा सकता है, क्योंकि संसार में कोई काम झूठ बोलने से नहीं चल सकता। झूठ की उत्पत्ति पाप, कुटिलता और कायरता से होती है। झूठ बोलना कई रूपों में दिख पड़ता है, जैसे चुप रहना, किसी बात को बढ़ाकर कहना, किसी बात को छिपाना, झूठ-मूठ दूसरों की हाँ में हाँ मिलाना आदि। कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो मुँह देखी बातें बनाया करते हैं, पर करते वहीं हैं जो उन्हें रुचता है। ऐसे लोग मन में समझते हैं कि कैसे सबको मूर्ख बनाकर हमने अपना काम कर लिया, पर वास्तव में वे अपने को ही मूर्ख बनाते हैं और अंत में उनकी पोल खुल जाने पर समाज के लोग उनसे घृणा करते हैं।

50. धर्म पालन करने में बाधा डालने वाली प्रवृत्तियाँ कौन-सी हैं?
(1) कमजोर मन, उद्देश्य का निश्चित न होना तथा चंचल मनोवृत्ति का होना
(2) धर्म का ज्ञान न होना
(3) आलस्य की अधिकता
(4) जानकारी की कमी

51. संसार के बड़े-बड़े लोगों ने सबसे श्रेष्ठ माना है
(1) उत्तम चरित्र को
(2) सदाचार को
(3) परोपकार को
(4) अपने कर्तव्य को

52. 'निर्बलता' शब्द में उपसर्ग और प्रत्यय का सही विकल्प है

(1) निर् + बल + ता

(2) निर + बल + ता

(3) निर + बलत + आ

(4) निर + बल + अता

53. 'कायर' की भाववाचक संज्ञा है

(1) अकायरता

(2) कायरत्व

(3) कायरपन

(4) कायरता

54. 'अपना मतलब निकालने वाला' के लिए उचित शब्द क्या है?

(1) स्वार्थी

(2) स्वार्थपरता

(3) स्वार्थपरक

(4) कुटिल

55. कौन-सा वाक्य शुद्ध है?

(1) खेतों में लम्बे-लम्बे घास उग आए

(2) परशुराम के क्रोधाग्नि ने क्षत्रियों को जला दिया

(3) गलियों को चौड़ा करना आवश्यक है

(4) वृक्षों पर कोयल कूक रही है

56. 'विद्यार्थी' में कौन-सी संधि है?

(1) दीर्घ संधि

(2) वृद्धि संधि

(3) गुण संधि

(4) यण् संधि

57. कानन का पर्यायवाची शब्द है

(1) पुष्प

(2) विहिप

(3) वन

(4) उपर्युक्त में से कोई नहीं

58. 'वाक्य विग्रह' का अर्थ है

(1) शब्दों को जोड़ना

(2) वाक्य रचना करना

(3) वाक्य खंडों को अलग-अलग करके उनका संबंध बताना

(4) संधि और समास बताना

59. बिनु पग चलै सुनै बिनु काना,
कर बिनु कर्म करै विधि नाना।

इन पंक्तियों में प्रयुक्त अलंकार है

(1) विभावना

(2) विशेषोक्ति

(3) असंगति

(4) दृष्टांत

60. 'सुई' का तत्सम रूप क्या है?

(1) सुश्री

(2) सूचि

(3) सलाई

(4) सूची